>

Title: Need to increase the minimum support price of paddy and waive off loans to protect the interests of farmers in the Country.

श्री पुन्नूलाल मोहले (बिलासपुर) : माननीय सभापति महोदय, मैं किसानों के विषय में बोलना चाहूंगा। हमारे देश की अर्थनीति कृषि पर आधारित है, लेकिन किसानों की हालत दिनों-दिन जर्जर होती जा रही है। ओले पड़ते हैं, पाला पड़ता है, सूखा पड़ता है और अतिवृष्टि होती है, जिसके कारण किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। इस कारण से किसान आये दिन आत्महत्याएं कर रहे हैं। किसान आज कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। देश में गेहूं का भंडारण कम होने के कारण गेहूं की कीमत एक हजार रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाई गई हैं। किंतु धान का भंडारण अधिक होने के कारण उसका समर्थन मूल्य नहीं बढ़ाया गया है। उद्योगों में उत्पादन का मूल्य उद्योगपति स्वतः निर्धारित करते हैं, किंतु किसान के उत्पादन की कीमत केन्द्र सरकार समर्थन मूल्य के द्वारा निर्धारित करती है। यह एक चिंतनीय विषय है। इन परिस्थितियों के कारण किसान कमजोर होते चले जा रहे हैं, उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो चुकी है। वे कर्ज के बोझ से दबे हुए हैं। मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि ऐसे किसानों के कर्ज माफ किये जाएं और उनके मोटे धान की कीमत एक हजार रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य निर्धारित की जाए तथा पतले धान की कीमत 1500 रुपये की जाए। जिससे देश के किसान की आर्थिक स्थिति सुधरे और किसान सम्मान के साथ अपना जीवन जी सकें।